Toppersnotes
Unleash the topper in you

REET

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

Board of Secondary Education, Rajasthan

Level – II (कला वर्ग)

भाग – 5

सामान्य अध्ययन – 2

SIERRA INNOVATIONS

विषय सूची

विश्व भूगोल

1. पृथ्वी के प्रमुख घटक 1
   - महाद्वीप, जलमण्डल,
   - ज्वालामुखी, भूकम्प, वायुमण्डल
   - आन्तरिक संरचना

भारत का भूगोल

1. सामान्य परिचय 48
2. भू-आकृतिक प्रदेश 49
   - पर्वत, पठार, मैदान, द्वीप इत्यादि
   - ग्रामीण जीवन एवं शहरीकरण
3. भारतीय मानसून 58
4. भारत का अपवाह तंत्र 61
   - हिमालयी अपवाह तंत्र
   - प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र
5. भारत में प्राकृतिक वनस्पति 67
6. भारतीय मृदा 69
7. जलवायु 72
8. भारत में संसाधन 77
   - खनिज संसाधन
9. प्रमुख उद्योग 81
10. परिवहन तंत्र 83
   - सड़क परिवहन
   - रेल परिवहन
   - जल परिवहन
11. भारत में कृषि 87
12. संसाधन 91
   - परिभाषा, प्रकार
   - मानव संसाधन

राजस्थान का भूगोल

1. सामान्य परिचय 95
2. जल संसाधन 104
   - झीलें, नदियाँ
3. राजस्थान की मृदा 110
4. राजस्थान में कृषि 112
5. राजस्थान संबंधी विशेष जानकारी 117
6. मानव विकास 117
7. राजस्थान में ऊर्जा विकास 120
8. राजस्थान में सूखा अकाल 126
9. राजस्थान में पशु सम्पदा 128
10. प्रादेशिक ग्रामीण बैंक 138
11. पर्यटन विकास 139
12. जनगणना 141
13. औद्योगिक विकास 148
14. परिवहन विकास 157
15. सिंचाई परियोजनायें 161
16. खनिज विकास 169
17. राजस्थान में वन एवं वन्य जीव 176
18. विकास योजनायें 184
19. उपभोक्ता संरक्षण 186

शिक्षा शास्त्री मुद्दे

1. शिक्षा शास्त्री मुद्दे 190
   - परिचय, प्रकार, सामाजिक अध्ययन
   - शिक्षण विधि, शिक्षण अधिगम
   - मूल्यांकन इत्यादि

महाद्वीप

क्षेत्रफल के आधार पर :-

1. एशिया
2. अफ्रीका
3. उत्तरी अमेरिका
4. दक्षिणी अमेरिका
5. अन्टार्कटिका
6. यूरोप
7. ऑस्ट्रेलिया

जनसंख्या के आधार पर :-

1. एशिया
2. अफ्रीका
3. यूरोप

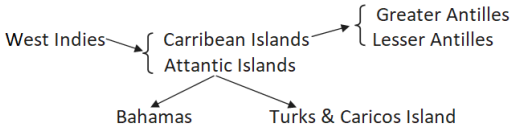

West Indies → { Carribean Islands → { Greater Antilles, Lesser Antilles }; Attantic Islands → Bahamas, Turks & Caricos Island }

4. उत्तरी अमेरिका
5. दक्षिणी अमेरिका
6. ऑस्ट्रेलिया
7. अन्टार्कटिका

1. उत्तरी अमेरिका (North America)

- क्षेत्रफल की दृष्टि से यह विश्व में तीसरे स्थान पर है ।
- जनसंख्या की दृष्टि से यह विश्व में चौथे स्थान पर है ।
- उत्तरी अमेरिका के प्रमुख भाग निम्नलिखित है-
  1. ग्रीनलैण्ड द्वीप
  2. कनाडा
  3. USA
  4. मैक्सिको
  5. मध्यवर्ती अमेरिका
  6. वेस्ट इंडीज

उत्तरी अमेरिका के पर्वत :-

पश्चिमी कॉर्डिलेरा-

1. अलास्का श्रेणी
2. ब्रूक्स श्रेंणी
3. मैकेन्जी श्रेणी
4. रॉकी
5. तटीय श्रेणी
6. कैस्केड श्रेणी
7. सिएरा नेवादा
8. सिएरा मद्रे ऑक्सिडेंटल
9. सिएरा मद्रे ओरियंटल

- यह उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी में स्थित पर्वत श्रेणियों का समूह है
- पश्चिमी कॉर्डिलेरा का निर्माण उत्तरी अमेरिकी तथा प्रशान्त महासागरीय प्लेट के अभिसरण से हुआ है
- यहाँ बहुत सी प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ स्थित है- e.g. अलास्का श्रेणी, रॉकी पर्वत, सिएरा नेवादा etc
- इन पर्वत श्रेणियों से उत्तरी अमेरिका की प्रमुख नदियों का उद्गम होता है ।
- यह श्रेणियाँ वनस्पति, जैव विविधता तथा पर्यटन एवं खनिज की दृष्टि से महत्वपूर्ण है ।
- यहां स्थित श्रेणियों के बीच अन्तः पर्वतीय पठार स्थित है ।
- इस क्षेत्र में कई ज्वालामुखी चोटियाँ पाई जाती है- e.g. हुड, रेनियर, शास्ता etc

उत्तरी अमेरिका के भौगोलिक विभाग

1. Canadian Shield Region

2. Applachian Mountain Region (अप्लेशियन पर्वतीय प्रदेश)
3. पश्चिमी कोर्डिलरा प्रदेश
4. मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश (Central Plain Region)

Canadian Shield Region

- उत्तरी अमेरिका के उत्तर-पूर्व भाग में स्थित पठारी प्रदेश (Plateau Region)
- यह विश्व के सबसे पुराने भू-भागों में से एक है इसलिए अत्यधिक अपरदन के कारण समुद्र तल से इसकी ऊँचाई 300-400 मीटर तक पाई जाती है ।
- यह एक कटा-फटा पठार है तथा एक Shield का उदाहरण है ।
- इस प्रदेश में धात्विक खनिजों के बडे भण्डार पाये जाते हैं-
    - लौह अयस्क(आयरन)
    - प्लेटिनम
    - बॉक्साईट
    - सोना
    - चांदी

    - निकल

<u>पश्चिमी कॉर्डिलेरा प्रदेश</u> :- उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी भाग में स्थित पर्वतीय प्रदेश

- इस प्रदेश में बहुत सी पर्वत श्रृंखलाएं उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर चलती हैं तथा एक कॉर्डिलेरा Mountain का निर्माण करती हैं ।
- इस प्रदेश में मिलने वाली ''अलास्का श्रेणी'' में मैकिनले चोटी (Mackinley Peak) स्थित है, जो कि उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी है । (61943)
- प्लेट अभिसरण क्षेत्र होने के कारण इस प्रदेश में बहुत सी ज्वालामुखी चोटियाँ भी पाई जाती हैं ।
    - माउण्ट शास्ता (Mt. Shasta)
    - माउण्ट रेनियर (Mt Rainier)

  यह प्रदेश कॉपर (ताँबे), यूरेनियम तथा कोयले के भण्डारों के लिए प्रसिद्ध है ।
- यह पर्वतीय क्षेत्र 'कोणधारी वनों' से ढका हुआ है जिनमे कोमल लकडी वाले वृक्ष विकसित होते हैं, जो कि आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होते है ।

Applachian Mt. (अप्लेशियन पर्वत) :-

- यह उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भाग में स्थित प्राचीन वलित पर्वत है ।
- इस पर्वत की ऊंचाई लगभग 1000-2000 मी. है ।
- इसकी सबसे ऊंची चोटी मिशेल (Mt. Mitchel) है
- इस पर्वतीय क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता के कोयले के भण्डार पाए जाते है । (एन्थ्रेसाइट)
- इस पर्वत के पूर्वी ढाल के पास अपरदन के कारण पीड मौंट (Pied Mont) पठार का निर्माण हुआ है
- अप्लेशियन पर्वत से निकले वाली नदियाँ इस पठार पर बहती है तथा तटवर्ती क्षेत्र में गिरते समय यहाँ जलप्रपात बनाती हैं । इसे ''प्रपात रेखा'' (Fall line) कहा जाता है जिसका उपयोग जल विद्युत उत्पादन के लिए किया जाता है ।
- यह उत्तरी अमेरिका का सर्वाधिक जल विद्युत उत्पादन करने वाला क्षेत्र है अतः यह पर्वत ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है ।

मेक्सिको पठार :-

- यह पठार सिएरा माद्रे ऑक्सिडेंटल तथा सिएरा माद्रे ओरिएंटल के मध्य स्थित है ।
- इस पठार पर गर्म एवं शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती है ।
- यह पठार मैक्सिको का सबसे खनिज सम्पन्न पठार है ।
- इस पठार पर विश्व की सबसे बडी चाँदी की खान चिहुआहुआ स्थित है ।

मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश

इस मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भागों में शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान स्थित हैं, जिन्हें Praries कहा जाता है, जबकि इसके दक्षिणी भागों का निर्माण 'मिसीसिपी नदी' द्वारा किया गया है, जिसके डेल्टा क्षेत्र में चावल, तम्बाकू (Tobacco) तथा कपास (Cotton) की खेती की जाती है ।

उत्तरी अमेरिका की प्रमुख पर्वत श्रेणियां

1. अलास्का श्रेणी :–

- U.S.A. के अलास्का राज्य में स्थित है ।
- इस श्रेणी में 'मैकिन्ले चोटी' स्थित है, जो कि उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी है ।

2. Rocky Mountains :-

- उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी कोर्डिलेरा प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण पर्वत श्रृंखला ।
- यह एक 'नवीन वलित पर्वत' (Young Fold Mountain) है, जिसका निर्माण उत्तरी अमेरिकी प्लेट तथा प्रशान्त महासागरीय (Pacific Plate) प्लेट के अभिसरण से हुआ है ।
- विश्व का दूसरा सबसे लम्बा पर्वत तंत्र है । (प्रथम एंडीज पर्वत S.A.)
- रॉकी पर्वतों के दक्षिण भाग में स्थित 'एल्बर्ट चोटी' इसकी सबसे ऊँची चोटी है । (4399 मी.)
- रॉकी पर्वत 'ताँबे' के भण्डारों के लिए प्रसिद्ध है ।

Sierra Nevado :- Block Mountain (खण्ड पर्वत)

- U.S.A के कैलिफोर्निया राज्य में स्थित खण्ड पर्वत यह विश्व का सबसे बडा 'खण्ड पर्वत' है ।
- Mt. Whitney इस पर्वत की सबसे ऊँची चोटी है (4418 मी)
- इस पर्वत तथा रॉकी पर्वतों के मध्य Great Basin स्थित है, जो कि एक अन्तः पर्वतीय पठार है ।

उत्तरी अमेरिका के प्रमुख पठार

1. Columbia Plateau :-

- उत्तरी अमेरिका के पश्चिम भाग में स्थित 'अन्तः पर्वतीय पठार' ।
- यह तटीय श्रेणी तथा रॉकी पर्वतों के मध्य स्थित है
- यह एक 'ज्वालामुखी पठार' है ।
- इसकी सतह पर लावा की परत मिलती है ।
- यह पठार काली मिट्टी से ढका है तथा कृषि के लिए अनुकूल है ।
- यह पठार शीत ऋतु के दौरान बर्फ से ढक जाता है, इसलिए यहां वर्ष में केवल एक फसल प्राप्त की जाती है । यहां पर "Suitcase Farming" प्रचलित है ।
- इस पठार पर कोलम्बिया नदी बहती है ।

2. Great Basin :-

- पश्चिमी U.S.A में स्थित 'अन्तः पर्वतीय पठार' ।
- उत्तरी अमेरिका का सबसे बडा अन्त पर्वतीय पठार ।
- यह पठार 'सियरा नेवेडा' व 'रॉकी पर्वतों' के मध्य स्थित है ।
- वृष्टि छाया क्षेत्र (Rain Shadow Region) में स्थित होने के कारण यह अत्यधिक गर्म एवं शुष्क क्षेत्र है ।
- इस पठार पर बहुत सी लवणीय झीले पाई जाती है । (Great Salt Lake)

3. Colorado Plateau :-

- उत्तरी अमेरिका के प. भाग में स्थित 'अन्तः पर्वतीय पठार' ।
- इस पठार का निर्माण चूना–पत्थर से हुआ है ।
- इस पठारी क्षेत्र में गर्म एवं शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती है ।
- इस पठार पर से 'कोलोरेडा नदी' बहती है जो कि यहाँ की चूना पत्थर चट्टानों का अपरदन कर गहरी घाटियों का निर्माण करती है ।
-

उत्तरी अमेरिका का अपवाह तंत्र

1. Yucon River (युकोन नदी):–

- U.S.A. के अलास्का राज्य की प्रमुख नदी ।
- इस नदी का उद्गम मैकेन्ले पर्वतों से होता है, तथा यह नदी Bearing सागर में जाकर गिरती है

2. Mackanzie River (मैकेन्जी नदी) :–

- कनाडा की सबसे लम्बी नदी ।
- इस नदी का उद्गम Great Slave lake (झील) से होता है, तथा यह ब्युफोर्ट सागर में जाकर गिरती है ।
- यह नदी एक डेल्टा का निर्माण करती है, तथा इस नदी के डेल्टा क्षेत्र में पेट्रोलियम के भण्डार मिलते

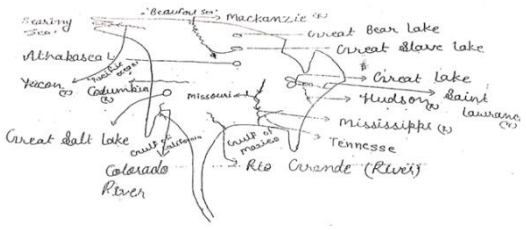

है ।

- वाशिंगटन D.C., Potomac River के किनारे बसा हुआ है ।

3. कोलम्बिया नदी (Columbia River) :–

- U.S.A के वाशिंगटन राज्य की प्रमुख नदी ।
- इस नदी का उद्गम रॉकी पर्वतों से होता है तथा यह प्रशान्त महासागर में जाकर गिरती है ।
- प्रशान्त महासागर में गिरने वाली U.S.A की सबसे लम्बी नदी है ।
- Snake नदी इसकी प्रमुख सहायक नदी है ।
- विख्यात 'ग्रेंड कुली बांध' (Grand coulie Dam) :- इस नदी पर स्थित है, तथा यह U.S.A की सबसे बडी जल विद्युत परियोजना है ।
- यह नदी 'कोलम्बिया पठार' के ऊपर से बहती है ।

4. Colorado River (कोलोरेडो नदी) :-

- U.S.A के पश्चिमी मरूस्थलीय प्रदेश की प्रमुख नदी ।
- इस नदी का उद्गम रॉकी पर्वतो से होता है तथा U.S.A व Maxico से बहते हुए यह नदी 'कैलिफोर्निया की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी के Colorado Plateau ऊपर से बहती है तथा यहां की चूना पत्थर की चट्टानों से अपरदन करते हुए Grand Canyon जैसी गहरी घाटियां का निर्माण करती है ।
-
- इस नदी पर विख्यात Hoover Dam (हूवर बांध) स्थित है ।

5. Rio Grande :-

- इस नदी का उद्गम रॉकी पर्वतों से होता है तथा यह 'मैक्सिकों की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी U.S.A व मैक्सिकों के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।
- Pecos (पिकोस) इसकी प्रमुख सहायक नदी है ।
- मिसीसिपी (Mississippi) उत्तरी अमेरिका व U.S.A की सबसे लम्बी नदी तथा विश्व की चौथी सबसे लम्बी नदी है ।
- यह नदी पूर्ण रूप से U.S.A में बहती है ।
- इस नदी का उद्गम U.S.A के मिनेसोय राज्य में Itasca (इटस्का) झील से होता है तथा यह नदी दक्षिणी दिशा में बहते हुए मैक्सिकों की खाडी में जाकर गिरती है ।

- मिसीसिपी तथा इसकी सहायक नदियां मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश के दक्षिणी भाग का निर्माण करती है तथा यह क्षेत्र कृषि की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है ।
- यह नदी एक 'पक्षी के पंजे' के आकार के डेल्टा (Bird Foot Delta) का निर्माण करती है, तथा इसका Delta क्षेत्र कपास, चावल व तम्बाकू की कृषि के लिए उपयुक्त है ।
- यूरोप की युराल नदी भी Bird Foot Delta बनाती है ।

6. Hudson (हडसन) River :-

- इस नदी का उद्गम न्यूयॉर्क राज्य में Hendrson (हन्ड्रसन) झील से होता है, तथा यह नदी पूर्व दिशा की ओर बहते हुए अटलांटिक महासागर से जाकर गिरती है ।
- U.S.A का 'न्यूयॉर्क शहर' इसी नदी के किनारे बसा हुआ है ।
- U.S.A में न्यूयॉर्क राज्य भी है, तथा न्यूयॉर्क नामक सिटी भी है । न्यूयॉर्क सिटी, न्यूयॉर्क राज्य की राजधानी है ।
- इस नदी को "Erie Canal" (एरी नहर) के माध्यम से एरी झील से जोडा गया है तथा यह नदी महान झीलों (Great lakes) को अटलांटिक महासागर से जोडती है, तथा इसका उपयोग अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए किया जाता है ।
- यह विश्व की सर्वाधिक प्रदूषित नदियों में से एक है ।

7. Saint lawrance (सेन्ट लोरेन्स) :-

- इस नदी का उद्गम 'ओंटेरियो झील' (Ontario lake) से होता है, तथा यह 'सेंट लोरेन्स खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी U.S.A व कनाडा के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।
- फिर महान् झीलों के साथ मिलकर यह नदी उत्तर अमेरिका से सबसे बडे व व्यस्ततम अन्तः स्थलीय नौकायन तंत्र का निर्माण करती है ।
- यह नदी विश्व के सबसे बडे नदमुख (Estuary) एस्च्यूरी का निर्माण करती है, तथा यह क्षेत्र मत्स्यन उद्योग (Fishing Industry) के लिए विख्यात है ।

उत्तरी अमेरिका की प्रमुख झीलें

1. Great Bear Lake :-

- उत्तरी कनाडा में स्थित मीठे पानी की झील ।
- इस झील का निर्माण हिमनदों के पिघलने से हुआ है ।
- पूर्ण रूप से कनाडा में स्थित सबसे बडी झील ।

2. Great Slave lake:-

- उ. कनाडा में स्थित मीठे पानी की झील ।
- इस झील का निर्माण हिमनदों के पिघलने से हुआ है ।
- यह उ. अमेरिका की सबसे गहरी झील है ।
- इस झील से मैकेन्जी नदी का उद्गम होता है ।

3. Athabasca Lake (अथाबास्का झील):–

- उ. कनाडा में स्थित पीठे पानी की झील ।
- इस झील का निर्माण हिमनदों के पिघलने से हुआ है ।

4. Great Salt lake :-

- U.S.A के यूटा (Utah) राज्य में स्थित झील ।
- यह झील Great Basin Plateau पर स्थित है तथा यहाँ मिलने वाली गर्म एवं शुष्क परिस्थितियों के कारण यह एक लवणीय झील है अर्थात खारे पानी की झील है ।
- उत्तर अमेरिका की सबसे बडी खारे पानी की झील है ।
- विश्व की सबसे बडी झील – कैस्पियन झील (विश्व की सबसे बडी खारे पानी की झील)
- यह झील एक अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र का निर्माण करती है । Great Salt lake

5. Great lakes (महान झीले):–

- Superior झील विश्व सबसे बडी मीठे पानी की झील है ।
- मिशिगन झील पूर्ण रूप से U.S.A मे स्थित है, बाकी चारो U.S.A व कनाडा के Border पर स्थित है ।
- ये सभी झीले मिलकर विश्व के सबसे बडे मीठे जल के सतही स्त्रोत का निर्माण करती है ।
- एरी तथा ओन्टेरियो झील के मध्य विश्व विख्यात ''नियाग्रा जल प्रपात'' स्थित है
- इन झीलों के किनारे U.S.A तथा कनाडा के प्रमुख औद्योगिक शहर बसे हुऐ है ।
- Superior lake के नजदीक "Mesabe Range" (मेसाबी श्रेणी) स्थित है, जहां लौह अयस्क के भण्डार मिलते है ।
- यहां से मिलने वाले लौह अयस्क का उपयोग महान झील क्षेत्र में स्थित 'ऑटोमोबाइल उद्योग' में किया जाता है ।

Praries :-

- उत्तर अमेरिका में स्थित शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान ।
- ये घास के मैदान कनाडा तथा U.S.A मे स्थित है तथा मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश का भाग है ।
- इन घास के मैदानों में Chermozem (चरमोंजम) Soil (मिट्टी) मिलती है, जिसमें ह्युमस की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण यह मिट्टी काले रंग की नजर आती है ।

जल संधि (Strait) :-

एक सकडी जल राशि जो कि दो बडी जल राशियों को आपस में जोडती है या फिर दो बडे भू–भागों को एक–दूसरे से अलग करती है ।

- Bering Strait :- Asia व N. अमेरिका को तथा रूस व N. अमेरिका को अलग करती है ।
- Peninsula (प्रायद्वीप) :- तीन ओर से पानी से घिरा होना ।
- Gulf :- तीन ओर से पानी का तट से घिरा होना
- Laprador Sea तथा Hudson Bay को आपस में जोडने वाली जल संधि :– Hudson Strait
- Davis Strait :- Baffin Bay को Labrador Sea से जोडती है ।

Bermuda Triangle :- इस क्षेत्र में होने वाली नौवहन दुर्घटना के लिए जिम्मेदार भौगोलिक कारण –

1. यह क्षेत्र उपोष्ण कटिबंधीय उच्च दाब पेटी में स्थित है, जिसके कारण यहाँ वायुमण्डलीय स्थायित्व पाया जाता है जो कि जहाजों के Movement (गति) के लिए अनुकूल नही है ।
2. इस क्षेत्र में 'सरगासो सागर' स्थित है जहाँ भंवर तंत्र का निर्माण होता है ।
3. इस क्षेत्र 'सरगासम शैवाल' की अधिकता पाई जाती है, जो कि नौवहन में बाधाएं उत्पन्न करते है

- बैरिंग जल संधि :– एशिया को उत्तरी अमेरिका से अलग करती है । (Bearing Straits)

2. दक्षिणी अमेरिका (South America)

पर्वत :-

एंडीज पर्वत

- यह दक्षिणी अमेरिका के पश्चिमी भाग में स्थित है
- इस पर्वत का निर्माण नाजका तथा दक्षिणी अमेरिकी प्लेट के अभिसरण से हुआ है ।
- यह विश्व की सबसे लम्बी पर्वत श्रेणी है जो दक्षिण अमेरिका के 7 देशों में विस्तृत है-
    1. वेनेजुएला
    2. कोलम्बिया
    3. इक्वेडोर
    4. पेरू
    5. बोलिविया
    6. चिली
    7. अर्जेन्टीना
- यह विश्व की दूसरी सबसे ऊँची श्रेणी है तथा यह दक्षिणी गोलार्द्ध की सबसे ऊंची श्रेणी है ।
- इस श्रेणी की सबसे ऊंची चोटी अकोंकागुआ है (6960 m)
- इस श्रेणी में बहुत सी ज्वालामुखी चोटियाँ है । E.g. कोटोपैक्सी, चिम्बराजो etc.
- इस श्रेणी से दक्षिणी अमेरिका की प्रमुख नदियों का उद्गम होता है । E.g. अमेजन, कोलोराडो
- इस श्रेणी क्षेत्र में अन्तः पर्वतीय पठार स्थित है । E.g. बोलिविया का पठार
- इस श्रेणी क्षेत्र में गहन वनस्पति तथा जैव विविधता पाई जाती है ।
- इस श्रेणी के पूर्वी ढाल पर पाए जाने वाले वनों को ''मोंटाना'' वन कहते है ।

दक्षिणी अमेरिका के प्रमुख भौगोलिक भाग

1. पश्चिमी तटवर्ती मैदान :-

- यह एंडीज पर्वत के पश्चिम में स्थित विश्व के सबसे लम्बे तटवर्ती मैदान है ।
- इस मैदानी क्षेत्र की मृदा में नाइट्रेट फॉस्फेट की मात्रा अधिक पाई जाती है । (समुद्री पक्षियों की बीट 'गुआनो' के कारण)
- यह मैदान संकरे है तथा यहाँ ताँबे के भण्डार पाए जाते है ।

- इस मैदानी क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में अटाकामा मरूस्थल स्थित है जो विश्व का शुष्कतम मरूस्थल है तथा पैरू एवं चिली में स्थित है ।
- इस मरूस्थल में विश्व का शुष्कतम स्थान अरिका स्थित है ।

2. पश्चिमी पर्वतीय प्रदेश :-

- अमेरिका के पश्चिमी भाग में स्थित पर्वतीय प्रदेश जो कि उत्तर में कैरिबियन सागर से लेकर द. अमेरिका के दक्षिणतम बिन्दु तक स्थित है ।
- इस पर्वतीय क्षेत्र को 'एंडीज पर्वतो' के नाम से भी जाना जाता है ।
- यह विश्व का दूसरा सबसे ऊंचा तथा सबसे लम्बा पर्वत तंत्र है ।
- North to South में ल. :- 6000 K.M.
- Himalya की ल. :- 2400 K.M.
- इस पर्वतीय प्रदेश में बहुत से 'सक्रिय ज्वालामुखी' भी पाये जाते है ।
- इस प्रदेश में बहुत सी पर्वत श्रृंखलाएं मिलती है, जिनके मध्य कई अन्तः स्थलीय पठार स्थित है । E.g. Bolivian Plateau (बोलिविया का पठार)
- यह प्रदेश अपने धात्विक खनिजों के भण्डार के लिए विख्यात है ।

3. मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश :-

- इस मैदानी क्षेत्र का निर्माण ओरिनोको, अमेजन तथा पराना जैसी नदियों द्वारा हुआ है ।
- इस मैदानी क्षेत्र में उष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान, शीतोष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान तथा वर्षा वन स्थित है ।
- इस क्षेत्र में स्थित वर्षा वन सेलवास कहलाते है ।
- सेलवास अमेजन नदी के बेसिन में स्थित है

- विश्व की सर्वाधिक जैव विविधता इन्ही वर्षा वनों में पाई जाती है अतः इन्हें 'विश्व के फेफड़े' भी कहते है ।
- यहाँ विश्व की सबसे हल्की लकडी वाले वृक्ष बालसा (Balsa) पाए जाते है ।
- यहाँ के प्रमुख उष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान अधोलिखित है– E.g. लानोस, ग्रान चाको, कैम्पोस, सैवाडोस, कैटिंगस
- यहाँ पम्पास शीतोष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान स्थित है ।
- यहाँ के घास के मैदानों का उपयोग कृषि एवं पशुपालन के लिए किया जाता है ।

4. पूर्वी उच्च प्रदेश (Eastern Highland Region) :–

- दक्षिण अमेरिका के उत्तर पूर्वी तथा पूर्वी भाग में स्थित पठारी प्रदेश ।
- इस प्रदेश का निर्माण गुयाना पठार तथा ब्राजील के पठार द्वारा मिलकर किया गया है ।
- यह विश्व के सबसे पुराने भू– भागों में से एक है तथा धात्विक खनिजों में सम्पन्न है ।

5. Andes Mountains (एंडीज पर्वत) :–

- दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी भाग में स्थित पर्वत तंत्र ।
- यह नवीन वलित पर्वतों का उदाहरण है जिनका निर्माण द. अमेरिका प्लेट तथा नाजका प्लेट के अभिसरण से हुआ हैं
- इस पर्वत तंत्र की कुल लम्बाई 6000 किमी. है तथा यह विश्व का सबसे निरन्तर एवं लम्बा पर्वत तंत्र है ।
- अर्जेन्टीना में स्थित "Mount Acancagua Peak" इन पर्वतों की सबसे ऊंची चोटी है । (अकान्कागुवा चोटी)
  - यह द. अमेरिका की भी सबसे ऊंची चोटी है ।
  - यह एक 'मृत ज्वालामुखीय चोटी' है तथा यह विश्व की सबसे ऊंची ज्वालामुखीय चोटी है ।
  - Equador में स्थित Mt. Cotopaxi (माउण्ट कोटोपेक्सी) – इन पर्वतों की एक और प्रमुख चोटी है, तथा यह विश्व की सबसे ऊंची 'सक्रिय ज्वालामुखीय' चोटी है ।
- Equador में ही "Mt. Chimbrago" चोटी स्थित है । जो कि एक 'सुषुप्त ज्वालामुखीय चोटी' है ।
  - इन पर्वतों से द. अमेरिका की प्रमुख नदियां जैसे Amazon, Colorado आदि का उद्गम होता है ।
  - इन पर्वतों पर ऊंचाई बढने के साथ–साथ विभिन्न वनस्पतियों का विकास होता है ।

इन पर्वतों के पूर्वी ढालों पर मिलने वाले वन 'मोंटानो वन' (Montana Forest) कहलाते हैं।

दक्षिण अमेरिका का अपवाह तंत्र [Drainage System of South America]

1. Orinocco River (ऑरिनोको नदी) :–

- दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी भाग में बहने वाली नदी, जो कि 'वेनेजुएला' देश की सबसे प्रमुख नदी है ।
- इस नदी डेल्टा बनाने के पश्चात अटलांटिक में जाकर गिरती है ।
- Caroni (करोनी) इसकी प्रमुख सहायक नदी है, जिस पर विश्व विख्यात Angel Falls (एंजिल जल प्रपात) स्थित है । यह विश्व का सबसे ऊँचा जल प्रपात है, जिसकी ऊंचाई 979 मीटर है ।
- करोनी नदी पर ही Guri Dam (गुरी बांध) स्थित है तथा यह विश्व की तीसरी सबसे बडी 'जल विद्युत उत्पादन परियोजना' है । उत्पादन क्षमता 10,000 मेगावाट (वेनेजुएला में)

2. Amazon River (अमेजन नदी) :–

- विश्व की दूसरी सबसे लम्बी तथा सर्वाधिक मात्रा में जल ले जाने वाली नदी ।
- यह नदी विषुवत रेखीय क्षेत्रों से बहती है, तथा विश्व के सबसे बडे नदी बेसिन का निर्माण करती है ।

- इस नदी का उद्गम एंडीज पर्वतों से होता है, तथा यह पश्चिम से पूरब दिशा की ओर बढते हुए 'अटलांटिक महासागर' में गिरती है ।
- इस नदी के बेसिन में विश्व में सबसे बडे वर्षा वन पाये जाते है, जो कि "Selvas" (सेलवास) कहलाते है ।
- इन्हें 'विश्व के फेफडे' कहा जाता है । (Lungs of World)
- पृथ्वी की सतह पर सर्वाधिक जैव विविधता "SELVAS" क्षेत्र में ही पाई जाती है

3. Parana River (पराना नदी) :-

- इस नदी का उद्गम ब्राजील के पठार से होता है, तथा नदी Rio de la Plata (रियो डे ला प्लाटा) में जाकर गिरती है ।

ये तीनों नदियां मिलकर Plata Rivers कहलाती है ।

4. Plata नदियां :-

- दक्षिणी अमेरिका के मध्य भाग में बहुत से देशों के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।

Gran Chaco :- प्लाटा नदियों के बेसिन में उष्ण कटिबंधीय घास के मैदान ।

Sao Francisco Lake :-

- इस नदी का उद्गम ब्राजील के पठार से होता है, तथा यह उ. दिशा की ओर बहते हुए अटलांटिक महासागर में जाकर गिरती है ।
- पूर्ण रूप से ब्राजील में बहने वाली सबसे लम्बी नदी ।
- यह नदी ब्राजील के द. पू. क्षेत्रों को उ. पू. क्षेत्रों को जोडती है, इसीलिए इसे 'राष्ट्रीय एकता की नदी' कहा जाता है ।

Colorado River (कोलोरेडो नदी) :-

- अर्जेटीना के द. भागों में बहने वाली नदी ।
- इस नदी का उद्गम एंडीज पर्वतों से होता है, तथा यह अटलांटिक महासागर में जाकर गिरती है ।
- यह पेटागोनिया मरूस्थल की प्रमुख नदी है

मैराकाइबो झील :-

- वेनेजुएला के उत्तरी भाग में स्थित झील ।
- यह द. अमेरिका की सबसे बडी झील है ।
- यह झील कैरिबीयन सागर से जुडी हुई है, तथा एक खारे पानी की झील है ।
- इस झील क्षेत्र में पेट्रोलियम के बडे भण्डार मिलते है, तथा वेनेजुएला का सबसे प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादन क्षेत्र है ।

Titicaca Lake :-

- पेरू तथा बोलिविया देशो के सीमा क्षेत्रो में स्थित झील
- यह झील बोलिविया के पठार पर स्थित है ।
- यह एक मीठे पानी की झील है, जिसका निर्माण हिम नदों के पिघलने से हुआ है।
- यह विश्व की सबसे ऊंचाई पर स्थित नौकायन उपयुक्त झील है ।

दक्षिण अमेरिका में मिलने वाले मरूस्थल

1. एटेकामा मरूस्थल (Atacama Desert) :-

- दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तटीय क्षेत्रों में मिलने वाला मरूस्थल ।
- यह मरूस्थल द. पेरू तथा चिली देश में स्थित है ।
- इस मरूस्थल के निर्माण के कारण-उपोष्ण कटिबंधीय उच्च दाब पेटी, शुष्क व्यापारिक पवनें तथा ठण्डी पवन धारा है ।
- यह विश्व का सबसे शुष्क मरूस्थल है ।
- Atacama Desert अपने तांबे के भण्डारो के लिए प्रसिद्ध है ।

- इन पक्षियों की बीट को गुआनों (Guano) कहते है, इसलिये इन्हें Guano Bird भी कहते है ।

2. पेटागोनिया मरूस्थल (Patagonian Desert) :-

- मुख्य रूप से दक्षिणी अर्जेन्टीना तथा चिली में स्थित मरूस्थल ।
- यह मरूस्थल पेटागोनिया पठार पर स्थित है
- यह पठार एंडीज पर्वतों के वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित है । इसलिए यहाँ मरूस्थलीय परिस्थितियों का विकास हुआ है । इसके साथ ही द. अमेरिका के द. पू. तट के नजदीक ठण्डी फॉकलेण्ड धारा बहती है जो कि वायु को अधिक शुष्क बनाती है ।
- इस मरूस्थल का बडा भाग लावा की परत से ढका हुआ है ।
- क्षेत्रफल के आधार पर द. अमेरिका का सबसे बडा मरूस्थल है ।

दक्षिण अमेरिका के प्रमुख पठार

1. गुयाना का पठार :-

- द. अमेरिका के 3. पू. भाग में स्थित पठार।
- यह पठार ब्राजील पठार के साथ मिलकर पू. उच्च प्रदेश का निर्माण करता है ।
- यह पठार विश्व के सबसे पुराने भू-भागो में से एक है, तथा एक शील्ड (Shield) का उदाहरण है ।
- यह पठार अपने धात्विक खनिजों के भण्डार के लिए विख्यात है । विशेष रूप से बॉक्साइड के लिए प्रसिद्ध है ।
- इसके अलावा सोना व डायमण्ड के लिए भी प्रसिद्ध है ।

2. Mato Grosso Plateau (माटो ग्रॉसो पठार):-

- द. अमेरिका के मध्य में स्थित पठार ।
- मुख्य रूप से ब्राजील देश में स्थित है ।
- यह पठार अपने लौह अयस्क के भण्डारों के लिए विख्यात है ।

3. बोलिविया का पठार :-

- द. अमेरिका में एंडीज पर्वतों के मध्य स्थित अन्तः पर्वतीय पठार ।
- मुख्य रूप से बोलिविया देश में स्थित है ।
- यह पठार एंडीज पर्वतों के वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित है, इसलिए यहाँ शुष्क परिस्थितियां पाई जाती है ।
- इस पठार पर टिटिकाका झील स्थित है, जो कि एक मीठे पानी की झील है ।
- यह पठार टिन तथा टंगस्टन के भण्डारों के लिए विख्यात है ।
- बोलिविया की राजधानी 'लापास' इसी पठार पर स्थित है ।
- लापास विश्व की सबसे ऊंचाई पर स्थित राजधानी

4. ब्राजील का पठार :-

- यह ब्राजील के लगभग आधे क्षेत्रफल में विस्तृत है ।
- यह विश्व के पुराने भू-भागो में से एक है तथा शील्ड का उदाहरण है ।
- यहां बहुत से खनिज पाए जाते है मुख्यत :- लौह अयस्क
- माटो ग्रोसो पठार इसी का भाग है ।
- इस पठार क्षेत्र में साउ फ्रांसिस्को तथा पराना नदियां निकलती है ।
- इस पठार क्षेत्र में जल विद्युत उत्पादन किया जाता है तथा यहाँ जैव विविधता भी पाई जाती है ।

5. पैटागोनिया पठार :-

- इस पठार पर लावा की परत पाई जाती है ।
- यह पठार एंडीज पर्वत के वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित है अतः यहाँ शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती है
- इस पठार पर पैटागोनिया मरूस्थल स्थित है जो एक ठण्डा मरूस्थल है- क्षेत्रफल की दृष्टि से यह द. अमेरिका का सबसे बडा मरूस्थल है ।

PAMPAS (पम्पास) :-

- द. अमेरिका में स्थित शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान PAMPAS कहलाते है ।
- ये घास के मैदान मुख्य रूप से अर्जेन्टीना देश में स्थित है ।
- इस घास के मैदानों में चरनोजम मिट्टी पाई है जिसमें ह्युमस की मात्रा अधिक होती है ।
- इन घास के मैदानो का उपयोग गेहूं की खेती के लिए किया जाता है, तथा यह क्षेत्र अर्जेन्टीना को विश्व का तीसरा सबसे बडा गेहूं निर्यातक देश बनाते है ।

Cape Horn (केप हॉर्न) :- द. अमेरिका का दक्षिणतम बिन्दु

मैगलन जल संधि (Magellan's Strait) :-

- द. अमेरिका के द. भाग में यह जलसंधि प्रशान्त महासागर को अटलांटिक महासागर से जोडती है ।
- यह विश्व के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय जलमार्गो मे से एक है ।

Galapagos Island (गेलापेगोज द्वीप) :-

- प्रशान्त महासागर में स्थित द्वीप जो कि Equador के राज्याधिकार में आता है ।
- यह द्वीप विषुवत रेखीय (Equotorial Region) में स्थित है तथा वर्षा वनों ढका हुआ है ।
- यह द्वीप अपनी जैव विविधता के लिए विख्यात है ।
- भारत के पूर्वी तट पर प्रजनन के लिए आने वाले ओलिव रिडले कछुए इसी द्वीप से प्रवास करके हिन्द महासागर में आते है ।

- उडीसा में भितरकणिका तथा गहिरमाथा (Gahirmatha) ओलिव रिडले कछुओं के लिए प्रसिद्ध है ।

Panama Canal (पनामा नहर) :-

- यह नहर पनामा की खाडी [Gulf of Panama] को केरिबियन सागर से जोडती है तथा यह प्रशान्त महासागर को अटलांटिक महासागर को जोडती है ।
- इस नहर का निर्माण 1914 में किया गया, तथा यह उ. अमेरिका के प. तट तथा द. अमेरिका के पू. तट और यूरोप के पश्चिमी तट के मध्य दूरी को कम करती है ।
- यह विश्व के सबसे प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय जलमार्गो में से एक है ।

3. Africa (अफ्रीका)

- क्षेत्रफल तथा जनसंख्या के आधार पर विश्व का दूसरा सबसे बडा महाद्वीप ।
- विश्व का एकमात्र महाद्वीप जहाँ से विषुवत रेखा (Eqautor), कर्क रेखा (Cancer), तथा मकर रेखा (Capricon) तीनों गुजरती है ।
- क्योंकि इस महाद्वीप का सर्वाधिक भाग उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है, इसलिए यह विश्व का सबसे गर्म महाद्वीप है
- अफ्रीका के प. भाग से मध्याह्न रेखा गुजरती है, तथा अफ्रीका एकमात्र ऐसा महाद्वीप है, जो कि चारों गोलार्द्धो में स्थित है ।
- इस मानव जीवन का विकास सर्वप्रथम इसी महाद्वीप में हुआ था, इसलिए इसे 'मानव सभ्यता का पालना' (Cradle of Mankind) भी कहा जाता है ।
- यह महाद्वीप एक पठार का उदाहरण है, अर्थात यह महाद्वीप वास्तव में एक पठारी क्षेत्र है, जिस पर बहने वाली नदियां बहुत से जल प्रपातों का निर्माण करती है, इसलिए सभी महाद्वीपों में सर्वाधिक जल विद्युत उत्पादन क्षमता इसी महाद्वीप में पाई जाती है
- बाकी महाद्वीपों के मुकाबले अफ्रीका विकास में काफी पिछडा हुआ है, इसलिए इसे अन्ध महाद्वीप (Dark Continant) कहा जाता है ।

अफ्रीका की प्रमुख पर्वत श्रेणियां (Important Ranges of Africa)

1. Atlas Mountains (एटलस पर्वत) :-

- अफ्रीका की सबसे प्रमुख पर्वत श्रृंखला
- अफ्रीका के उ. प. भाग में स्थित मोरक्को, अल्जीरिया एवं ट्यूनीशिया देश में विस्तृत ।
- यह एक नवीन वलित पर्वतों (Young Fold Mountains) का उदाहरण है, जिसका निर्माण अफ्रीकी प्लेट तथा यूरेशिया प्लेट के अभिसरण से हुआ है ।
- माउण्ट टोबकल :- इन पर्वतो की सबसे ऊंची चोटी इन पर्वतों में धात्विक खनिजों लौह अयस्क, तांबा, सोना, आदि के भण्डार पाये जाते है ।

2. लोमा पर्वत (Loma Mountains) :-

- पश्चिम अफ्रीका की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला ।
- मुख्य रूप से गिनी तथा सियरा लियोन देश में स्थित ।
- इन पर्वतों से पश्चिम अफ्रीका की सबसे प्रमुख नदी नाइजर (Niger) का उद्गम होता है ।

3. किलिमंजारो पर्वत :-

- यह तंजानिया में स्थित मृत ज्वालामुखी पर्वत है ।
- यह अफ्रीका का सबसे ऊँचा पर्वत है ।
- यह पर्वत पूर्वी अफ्रीकी भ्रंश घाटी के पास स्थित है
- इस पर्वत पर पाए जाने वाले हिमनद निरन्तर पिघलते जा रहे है ।

4. केन्या पर्वत :-

- यह ज्वालामुखी पर्वत अफ्रीका का दूसरा सबसे ऊँचा पर्वत है ।
- यह विषुवत रेखीय क्षेत्र में स्थित है अतः यहाँ गहन वनस्पति एवं जैव विविधता पाई जाती है ।
- यहाँ केन्या राष्ट्रीय उद्यान स्थित है जो यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित है ।
- इस पर्वत पर हिमनद है जो निरन्तर पिघलते जा रहे है ।

5. रूवेंजोरी पर्वत :-

- यह पर्वत कांगो प्रजातंत्रिक गणराज्य तथा युगांडा में स्थित है
- यह ज्वालामुखी पर्वत है जो पूर्वी अफ्रीका भ्रंश घाटी के पास स्थित है ।
- यह अफ्रीका का तीसरा सबसे ऊंचा पर्वत है ।

- विषुवतरेखीय क्षेत्र में स्थित होने के कारण यहाँ बहुत अधिक जैव विविधता पाई जाती है अतः यहाँ 'रूवेंजोरी राष्ट्रीय उद्यान' स्थित है ।
- इस पर्वत पर ताँबे तथा कोबाल्ट के भण्डार पाये जाते है ।
- इस पर्वत पर पाए जाने वाले हिमनद नील नदी के प्रमुख जलस्त्रोत है ।
- इन्हे ''चन्द्रमा के पर्वत'' भी कहा जाता है ।

6. ड्रैकनस्बर्ग पर्वत (Drakensberg Mountains) :-

- दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी तट के निकट मिलने वाली पर्वत श्रृंखला ।
- यह एक प्राचीन वलित पर्वत (Old Fold Mountain) का उदाहरण है ।
- दक्षिण अफ्रीका की प्रमुख नदी ऑरेन्ज (Orange) का उद्गम इन्हीं पर्वतों से होता है ।
- माउण्ट लिनयाना (Ntlenyana) चोटी इन पर्वतों की सबसे ऊंची चोटी है ।

अफ्रीका के प्रमुख पठार

1. Fouta Djallon (फोटा जालोन) :-

- अफ्रीका में स्थित पठार
- मुख्य रूप से गिनी देश में स्थित है
- यह पठार प. अफ्रीका में एक जल विभाजक का कार्य करता है ।

2. Jos Plateau (जोस पठार) :-

- नाइजीरिया, तथा नाइजर देश के दक्षिणी में स्थित पठार ।
- यह पठार टिन के भण्डारों के लिए विख्यात है ।
- नाइजीरिया की राजधानी अबुजा इसी पठार पर स्थित है ।

3. इथोपिया का उच्च पठार :-

- अफ्रीका के पूर्वी भाग में मुख्य रूप से इथोपिया देश में स्थित पठार ।
- इस पठार पर अत्यधिक गर्म एवं शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती है ।
- इस पठार पर बहुत सी खारे पानी की झीले पाई जाती है ।
- दिबोती देश में स्थित असल झील विश्व की सर्वाधिक लवणीय झीलों में से एक है ।
- इस पठार पर तना झील स्थित है, जहाँ से ब्लू नील नदी का उद्गम होता है ।

4. पूर्वी अफ्रीकी पठार :-

- अफ्रीका के पूर्वी भागों में स्थित पठार ।
- क्षेत्रफल के आधार पर यह अफ्रीका का सबसे बडा पठार है ।
- यह पठार विषुवत रेखीय वर्षा वनों से ढका हुआ है तथा अपनी जैव विविधता के लिए विख्यात है ।
- इस पठार पर बहुत सी ज्वालामुखी चोटियां स्थित है । तंजानिया में स्थित किलिमंजारों चोटी अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी है । यह मृत ज्वालामुखी चोटी है । (Death Volcanic Peak)
- Mt. Kenya केन्या चोटी :- इस पठार पर अन्य ज्वालामुखी चोटी है ।
- अफ्रीका की सबसे बडी झील विक्टोरिया इसी पठार पर स्थित है ।
- केन्या देश में इस पठार का उपयोग चाय रोपण कृषि के लिए किया जाता है ।
- इस पठार पर मसाई जनजाति निवास करती है ।

5. Katanga Plateau :-

- Democratic Republic of Congo (DRC) तथा जाम्बिया देश मे स्थित पठार ।
- यह पठार अपने ताँबे तथा कोबाल्ट के भण्डार के लिए विख्यात है ।
- इस पठार पर से लुवालाबा (Lualaba) नदी का उद्गम होता है, जो कि बहुत सी अन्य धाराओं से मिलकर कोंगो नदी का निर्माण करती है ।

6. Bie Plateau :-

- अंगोला देश में स्थित पठार ।
- यह पठार अपने बॉक्साइट के भण्डारो के लिए विख्यात है ।
- इस पठार से अफ्रीका की प्रमुख नदी जाँबेजी (Zambezi) का उद्गम होता है ।

7. Great Karroo Plateau :-

- द. अफ्रीका में स्थित पठार
- इस पठार पर लावा की परत पाई जाती है ।
- इस पठार अपने खनिज सोना, प्लेटिनम, डायमण्ड, तथा कोयला के भण्डारो के लिए विख्यात है ।

8. Emi Koussi :-

- सहारा डेजर्ट का सबसे ऊंचा बिन्दु तिबेस्ती पठार के पास स्थित (सहारा डेजर्ट के पास)

अफ्रीका का अपवाह तंत्र (Drainage System of Africa)

1. River Niger (नाइजर नदी) :-

- अफ्रीका की सबसे लम्बी एवं महत्वपूर्ण नदी ।
- इस नदी का उद्गम 'लोमा पर्वतो' से होता है तथा यह नदी डेल्टा बनाने के पश्चात गिनी की खाडी में जाकर गिरती है ।
- इस नदी को River of Bend व River of Return भी कहा जाता है ।
- इस नदी के डेल्टा क्षेत्र में पेट्रोलियम के भण्डार मिलते है ।
- माली देश का प्रमुख शहर टिम्बकटू (Tombouctou) शहर इसी नदी के किनारे बसा हुआ है ।

2. Volta River:-

- घाना देश की प्रमुख नदी है ।
- घाना Gold के लिए प्रसिद्ध है, इसीलिए पहले इसे Gold Coast कहते थे ।
- इस नदी पर Akosombo dam (अकोसोम्बों बांध) स्थित है, जिससे वोल्टा झील का निर्माण होता है । क्षेत्रफल के आधार पर 'वोल्टा झील' सबसे बडी मानव निर्मित झील है ।

3. नील नदी :-

- विश्व की सबसे लम्बी नदी
- यह नदी अफ्रीका के पूर्वी मरूस्थलीय क्षेत्रो से बहती है ।
- यह नदी ब्लू नील नदी तथा White Nile River के मिलने से बनती है । ये सुडान के खारतूम से मिलती है ।
- ब्लू नील का उद्गम इथोपिया में घाना झील से होता है, जबकि White Nile River का उद्गम विक्टोरिया झील से होता है, तथा ये दोनो नदियाँ सूडान की राजधानी खारतूम में जाकर मिलती है ।
- यह नदी दक्षिण से उत्तर दिशा की ओर बढती है तथा डेल्टा बनाने के पश्चात् भूमध्यसागर में जाकर गिरती है ।
- मिश्र अपनी जल आपूर्ति के लिए पूर्ण रूप से इस नदी पर आधारित है । इसीलिए मिश्र को नील नदी का तोहफा कहा जाता है ।
- मिश्र व इजराइल पूर्ण रूप से सिंचाई पर निर्भर है ।
- नील नदी पर बेसिन चावल तथा कपास की खेती के लिए विख्यात है ।
- इस नदी पर इजिप्ट (मिश्र) में स्थित विख्यात अस्वान बांध स्थित है ।
- ब्लू नील नदी :- पर इथोपिया में 'ग्रेट इथोपियन रिवासा बांध' का निर्माण किया जा रहा है । जिसके निर्माण का मिश्र व सूडान द्वारा विरोध किया जा रहा है ।

4. Conge River :-

- इसे Zaire River भी कहा जाता है ।
- अफ्रीका के विषुवत रेखीय क्षेत्रों से बहने वाली नदी ।
- यह नदी विषुवत रेखा को दो बार काटती है ।
- इस नदी का उद्गम कटांगा पठार से निकलने वाली बहुत सी धाराओं से होता है ।
- यह नदी अटलांटिक महासागर में जाकर गिरती है ।
- विश्व की सबसे गहरी नदी तथा अमेजन के पश्चात् सबसे अधिक जल ले जाने वाली नदी
- इस नदी में विश्व में सबसे अधिक जल विद्युत उत्पादन क्षमता पाई जाती है ।
- इस नदी पर वर्तमान में ग्रेट इंगा परियोजना (Inga Project) का निर्माण किया जा रहा है । जिसकी क्षमता 40,000 मेगावाट होगी तथा पूर्ण होने पर विश्व की सबसे बडी जल विद्युत उत्पादन परियोजना होगी ।

5. Zambezi River (जाम्बेजी नदी):-

- इस नदी का उद्गम बाइ पठार से होता है तथा यह मोजाम्बिक चैनल में जाकर गिरती है
- यह नदी जाम्बिया तथा जिम्बाब्वे के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।
- इस नदी पर 'विक्टोरिया जल प्रपात' स्थित है, जो कि विश्व का सबसे चौडा जल प्रपात है ।
- इस नदी पर करिबा बांध (Kariba Dam) स्थित है जिससे करिबा झील का निर्माण होता है ।
- जल के आयतन के आधार पर यह विश्व की सबसे बडी मानव निर्मित झील है ।
- करिबा बांध वर्तमान में अफ्रीका की सबसे बडी जल विद्युत उत्पादक परियोजना है ।

6. लिम्पोपो नदी :– यह नदी 'मकर रेखा' को दो बार काटती है ।

7. ऑरेंज नदी :–

- द. अफ्रीका की सबसे लम्बी एवं प्रमुख नदी ।
- यह नदी नामीबिया एवं द. अफ्रीका के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।
- इस नदी का उद्गम ड्रेकनस्बर्ग पर्वतों से होता है तथा यह अटलांटिक महासागर में जाकर गिरती है
- वॉल नदी इसकी प्रमुख सहायक नदी है ।

प्रमुख झील

1. विक्टोरिया झील :–

- अफ्रीका की सबसे बडी तथा विश्व की दूसरी सबसे बडी मीठे पानी की झील ।
- इस झील से विषुवत रेखा गुजरती है ।
- युगांडा, केनिया तथा तंजानिया के सीमा क्षेत्र में स्थित है
- इस झील में White Nile River का उद्गम होता है ।
- यह झील महान भ्रंश घाटी (Great Rift Vally) में स्थित नही है ।

2. Lake Chad (चाड झील) :–

- नाइजीरिया, नाजर तथा देशो के सीमा क्षेत्र में स्थित ।
- यह झील सहारा मरूस्थलीय क्षेत्रो में स्थित है, तथा सहारा मरूस्थल का सबसे प्रमुख जल स्त्रोत है ।
- यह झील अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र का निर्माण करती है । तथा चारी नदी (Chari River) इस

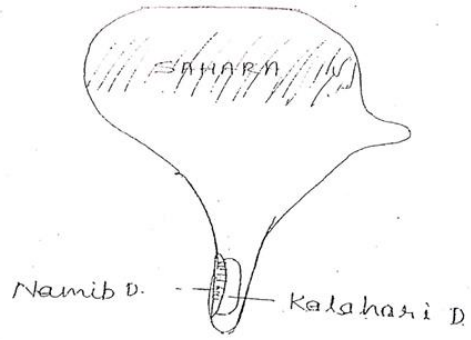

झील में गिरने वाली सबसे प्रमुख नदी है ।

- अपने मूल आकार के मुकाबले यह झील 90 - 95% तक सिकुड चुकी है तथा इस झील का अस्तित्व खतरे में है ।

3. तंजनयिका झील :–

- विश्व की सबसे लम्बी झील तथा दूसरी सबसे गहरी झील है ।
- यह झील महान् भ्रंश घाटी में स्थित है ।
- यह झील तंजानिया तथा D.R.C. के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।

Deserts of Africa (अफ्रीका के मरूस्थल)

1. Sahara Desert :-

- अफ्रीका के 3. भागों में स्थित मरूस्थल ।
- यह विश्व का सबसे बडा गर्म मरूस्थल है ।
- विश्व का एकमात्र गर्म मरूस्थल जो कि महाद्वीप के प. भाग से लेकर पू. भाग तक विस्तृत है ।
- इस मरूस्थल के निर्माण को कारण :–
  (1) शुष्क व्यापारिक पवनें (Dry Trade winds)
  (2) Sub Tropical High Pressure Belt [STHPB]
  (3) Cold Canary Current
- यह मरूस्थल एक पठारी क्षेत्र पर स्थित है तथा यह एक पथरीला मरूस्थल है । इसलिए सहारा एक Hammad (हमाडा) का उदा. है ।
  - हमाडा 'पथरीला मरूस्थल'
  - Erg रेतीला मरूस्थल होता है
- इस मरूस्थल में 'लाल मिट्टी' पाई जाती है
- 'मरूद्भिद वनस्पति' मिलती है ।

2. KALAHARI Desert :-

- अफ्रीका के द. भाग में स्थित मरूस्थल ।
- मुख्य रूप से बोलस्वाना देश में स्थित है ।
- इसके निर्माण के कारण–
  (1) STHPB
  (2) Dry Trade winds
  (3) Cold Bengula Current

Horn of Africa :-

1. इथोपिया
2. इरिट्रिया
3. दिबोती
4. सोमालिया

} Eastern Country

- इस क्षेत्र में 'मरूद्भिद (Zerophytic) वनस्पति' पाई जाती है । सभी Desert में मरूद्भिद वनस्पति पाई जाती है ।
- इस वनस्पति में मिलने वाले प्रमुख गुण :-
  (1) वाष्पोत्सर्जन को कम करने के लिए इस वनस्पति की प्रजातियों में पत्तियों की जगह कांटो का विकास होता है ।
  (2) भू-जल स्त्रोतों तक पहुंचने के लिए इस वनस्पति की प्रजातियों में गहरी जडे पाई जाती हैं ।
  (3) जल को संग्रहित करने के लिए इस वनस्पति की प्रजातियों में मोटा तना पाया जाता है ।
  (4) सौर विकिरण को परावर्तित करने के लिए इनमें 'चिकनी' सतह' पाई जाती है ।
- कालाहारी मरूस्थल में बुशमेन (Bushman) जनजाति निवास करती है ।

3. Namib Desert :-

- अफ्रीका के द. प. दिशा में मिलने वाला मरूस्थल ।
- मुख्य रूप से नामिबिया देश में स्थित है ।
- इस मरूस्थल के निर्माण के कारण :-
  (1) STHPB
  (2) Dry Trade Winds
  (3) Cold Bengula Current
- हाल ही में इस मरूस्थल को 'यूनेस्को' की अन्तर्राष्ट्रीय धरोहर सूची [World Heritage list] में शामिल किया गया है ।

Suez Canal (स्वेज नहर) :-

- यह नहर भूमध्य सागर को 'लाल सागर' से जोडती है ।
- इस नहर का निर्माण 1869 A.D. में पूर्ण हुआ तथा इस नहर की कुल लम्बाई 173 किमी. है ।
- इस नहर का प्रबन्धन 'मिश्र' द्वारा किया जाता है तथा यह मिश्र के स्वेज बन्दरगाह को साइद बन्दरगाह से जोडती है ।
- यह विश्व के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय जलमार्गो में से एक है, तथा पेट्रोलियम के व्यापार के लिए विख्यात है ।

Sinai Peninsula (सिनाई प्रायद्वीप):-

- लाल सागर में स्थित प्रायद्वीप जो कि अफ्रीका को एशिया से जोडता है तथा यह मिश्र का भाग है
- इसका Border गाजा पट्टी के साथ लगता है ।

सवाना घास के मैदान :-

- अफ्रीका में विषुवत रेखीय क्षेत्र के दोनो ओर मिलने वाले घास के मैदान सवाना घास के मैदान कहलाते है ।
- इन क्षेत्रो में ग्रीष्म तथा शीत ऋतु पाई जाती है । तथा यह क्षेत्र ग्रीष्म ऋतु के दौरान लगभग 75-100 सेमी. वर्षा प्राप्त करते है ।
- वर्षा की मात्रा सीमित होने के कारण इन क्षेत्रों में वनों की जगह घास के मैदानों का विकास होता है ।
- यहाँ मिलने वाली घास लम्बी, मोटी एवं पौष्टिक होती है ।
- ये घास 5 मीटर ऊंचाई तक होती है, तथा 'एलीफन्टे घास' (Elephant Grass) कहलाती है
- यह क्षेत्र अपनी वन्य जीव सम्पदा के लिए विख्यात है तथा यहाँ पृथ्वी के सबसे बडे स्थलीय जीव पाये जाते है- हाथी, जिराफ, रायनो Rhino (गेंडा), Zebra
- यह क्षेत्र पूर्व में शिकार के लिए विख्यात था इसलिए इसे " Land of Big Game" कहा जाता था

Sahel :-

- अफ्रीका में सवाना घास के मैदान तथा सहारा मरूस्थल के मध्य स्थित संक्रमण क्षेत्र 'साहेल' नाम से जाना जाता है ।
- यह क्षेत्र एक पट्टी के आकार में अफ्रीका के पश्चिमी तट से पूर्वी तट तक स्थित है ।
- यह विश्व का सबसे पिछडा हुआ क्षेत्र है, जहाँ गरीबी अशिक्षा, कुपोषण (Mainutrition) आदि समस्याएँ उच्च स्तर पर मिलती है ।

Velds वाला क्षेत्र :-

- अफ्रीका में स्थित शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान द. अफ्रीका में स्थित है ।
- यह क्षेत्र शुष्क क्षेत्र है तथा इसका उपयोग कृषि के लिए नही मुख्य रूप से पशुपालन के लिए किया जाता है ।

<u>अल्जीरिया</u> :- क्षेत्र के आधार पर अफ्रीका का सबसे बडा देश इससे पूर्व सूडान सबसे बडा देश था

<u>जिब्राल्टर जल संधि</u> :-

- यह जलसंधि भूमध्यसागर को अटलांटिक महासागर से जोडती है ।
- यह अफ्रीका को यूरोप से अलग करती है ।
- यह U.K. को मोरक्को से अलग करती है ।
- विश्व के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय जलमार्गो में से एक है ।

<u>नाइजीरिया</u> :-

- जनसंख्या के आधार पर अफ्रीका सबसे बडा देश
- पेट्रोलियम के लिए विख्यात (भारत भी आयात करता है)

4. <u>Europe (यूरोप)</u>

आइसलैण्ड, स्वीडन, नॉर्वे, डेनमार्क देश Scandinavian Countries कहलाते है, क्योंकि इन देशों में स्केण्डिनेविया समूह की भाषाओं का उपयोग किया जाता है । इसलिए यह समूह एक सांस्कृतिक भाषायी प्रदेश है ।

- इनमें फिनलैण्ड शामिल नहीं है ।
  England/Great Britain/U.K.

- नीदरलैंड, बेल्जियम, लक्जमबर्ग देशों को Benelux Country (बेनेलक्स देश) कहते है ।

<u>Benelux Country = Low Country</u> :- समुद्र तल से ऊंचाई कम होने के कारण में देश 'निम्न देश' कहलाते है । (बेनेलक्स) समुद्रतल से ऊंचाई कम होने के कारण इन देशों के तटीय क्षेत्र समुद्र में जलमग्न हो जाते है । तटीय क्षेत्रों में ऊंचे तटबंधों का निर्माण करके इस क्षेत्र को पुनः प्राप्त किया जाता है । इस तरीके से प्राप्त क्षेत्र पोल्डरलैण्ड (Polderland) कहलाते है ।

<u>यूरोप के भोगोलिक विभाग</u>

1. उत्तर पश्चिमी उच्च प्रदेश [North, Western, Highland Region]
2. उत्तरी मैदानी प्रदेश [Northern , Plain Region]
3. मध्यवर्ती उच्च प्रदेश [Central Upland Region]
4. अल्पाइन तंत्र क्षेत्र [Alpine System Region]

1. <u>उत्तर पश्चिमी उच्च प्रदेश :-</u>

- यूरोप के 3. पश्चिमी भाग नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैण्ड, आइसलैण्ड व ग्रेट ब्रिटेन में स्थित ।
- इस प्रदेश में अपरदित पर्वत तथा पठार पाये जाते है ।
- इस प्रदेश में मिलने वाला पठार 'फेनो स्केन्डिनेवियान पठार' कहलाता है, जो कि एक Shield (शिल्ड) का उदा. है ।
- यह विश्व के सबसे पुराने भू-भागों में से एक है, तथा धात्विक खनिजों में सम्पन्न है ।
- यहाँ मुख्य रूप से 'लौह अयस्क' तथा 'ताँबे' के भण्डार मिलते है ।
- स्वीडन में स्थित किरूना [Kiruna] तथा गेब्लिवेर क्षेत्र में विश्व का सर्वोच्च गुणवता का लौह अयस्क पाया जाता है ।
- यह एक पथरीला क्षेत्र है, इसीलिए कृषि के लिए अनुपजाऊ क्षेत्र है ।
- इस प्रदेश के तटीय भाग में हिमनदों द्वारा बनाई गई घाटियों मिलती है, जो कि वर्तमान में महासागरों में जलमग्न है । यही घाटियाँ 'फियोर्डस' कहलाती है ।
- नॉर्वे का तट अपने फियोर्डस के लिए विख्यात है ।

2. <u>Northen Plains Region (उत्तरी मैदानी प्रदेश) :-</u>

- उत्तरी पश्चिमी उच्च प्रदेश के दक्षिण में स्थित मैदानी प्रदेश
- यह मैदानी प्रदेश यूरोप के प. तट से लेकर पू. में यूराल पर्वतों तक विस्तृत है ।
- यूरोप की प्रमुख नदियाँ जैसे राइन (Rhine), Elbe (एल्ब), Volga (वोल्गा) आदि द्वारा इस मैदानी प्रदेश का निर्माण किया गया है ।
- यह क्षेत्र अत्यधिक उपजाऊ है, तथा कृषि के लिए महत्वपूर्ण है ।
- इस क्षेत्र में जीवाश्म ईंधनों के भण्डार पाये जाते है - पेट्रोलियम व कोल के भण्डार

3. <u>Central Upland Region (मध्यवर्ती उच्च प्रदेश) :-</u>